(ii) Residency period for assessment of staff in Group I and II.

(iii) Extension of assessment upto the grade of Rs. 5,900-7,300.

(iv) Amendments in the criteria for consideration for the merit assessment scheme.

(v) Criteria for selection of referees.

(vi) Matters relating to composition of Assessment Committees.

(vii) Removal of certain scales in Groups I and II.

(viii) Open Annual Appraisal forms.

(ix) Apportioning of relative marks in total evaluation.

(c) and (d) These have been discussed a number of times with employees' association at different levels, and also been considered by a group headed by Dr. Kailash Chandra, Scientist in the Director's Grade, National Physical Laboratory, New Delhi. The recommendations of this report are under analysis from the viewpoint of extent of possible implementation and further action. Discussions are being held on these, with the employees associations on a continuing basis.

Growth rates in the Seventh and the Eighth Five Year Plan

*9. SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Government propose to lower the targets of growth rate in the Eighth Five Year Plan; and

(b) what are the details of the growth rates in GDP achieved during the Seveth Five Year Plan and the planned growth rate in the Eighth Five Year Plan?

THE PRIME MINISTER (SHRI VISHWANATH PRATAP SINGH): (a) No, Sir.

(b) The GDP growth during the first four years of the Seventh Five Year Plan for which data are available, has been as follows:—

Year	Growth in GDP
	(percent)
1985-86	4·9
1986-87	4·2
1987-88	4·1
1988-89*	10·4

(*as per quick estimates of Central Statistical Organisation)

The growth target for GDP in the Eighth Five Year Plan has not yet been fixed.

परमाणु विद्युत संयंत्रों द्वारा विद्युत का उत्पादन

*10. श्री राम जेठमलानी :
सरदार हरजीत सिंह अरोड़ा :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में परमाणु विद्युत संयंत्रों द्वारा विद्युत का उत्पादन उनकी क्षमताओं के अनुसार नहीं हुआ है ;

(ख) यदि हां, तो प्रत्येक संयंत्र द्वारा कितने-कितने प्रतिशत क्षमता का उपयोग किया जा रहा है ; और

(ग) 1989 के दौरान विभिन्न संयंत्रों द्वारा कितनी-कितनी क्षमता का उपयोग किया गया था और उनकी क्षमताओं के अनुसार विद्युत का उत्पादन न किए जाने के क्या कारण हैं ?

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय में राज्य मंत्री साथ में मानव संसाधन विकास मंत्रालय में शिक्षा विभाग में राज्य मंत्री का अतिरिक्त प्रभार (प्रो० एम० जी० के० मेनन) : (क) तथा (ख) वाणिज्यिक स्तर पर काम कर रहे छः परमाणु विद्युत रिएक्टरों में से, तारापुर स्थित पहला यूनिट और राजस्थान स्थित दूसरा यूनिट अपनी सामान्य उत्पादन क्षमता पर कार्य कर रहे हैं । जो अन्य चार यूनिट सीमित विद्युत स्तर पर उत्पादन कर रहे हैं उनका ब्यौरा नीचे दिया गया है :

यूनिट	सीमित विद्युत स्तर	अभ्युक्तियां
तारापुर–2 . .	50%	जनवरी, 1990 से अस्थायी रूप से विद्युत स्तर सीमित किया गया और आशा है कि अप्रल, 1990 में नियमित विद्युत स्तर पुनः स्थापित कर दिया जाएगा ।
राजस्थान–1 . .	50%	वर्ष, 1987 से विद्युत स्तर 50% तक सीमित किया गया । विद्युत स्तर को सामान्य रूप से पुनः स्थापित करना एक दीर्घकालीन परियोजना है ।
मद्रास-1 तथा 2 .	75%	जून, 1989 से अस्थायी रूप से विद्युत स्तर 50% तक और अक्तूबर/नवम्बर, 1989 से 75% तक सीमित किया गया। आशा हैं कि वर्ष 1990 के उतरार्ध में सामान्य विद्युत स्तर फिर से स्थापित किया जा सकेगा ।

(ग) वाणिज्यिक स्तर पर काम कर रहे परमाणु बिजलीघरों के उपलब्धता और क्षमता गुणक वर्ष 1989 के लिए निम्नलिखित हैं :

यूनिट	उपलब्धता गुणक (प्रतिशत)	क्षमता गुणक (प्रतिशत)
तारापुर–1	70.4	63.7
तारापुर- 2	34.8	33.7
राजस्थान- 1	54.6	21.3
राजस्थान- 2	79.7	71.1
मद्रास- 1	49.7	23.9
मद्रास- 2	49.7	25.2

तारापुर के पहले यूनिट और राजस्थान के दूसरे यूनिट का कार्यनिष्पादन वर्ष 1989 के दौरान अच्छा रहा । तारापुर के दूसरे यूनिट का क्षमता गुणक इसलिए कम रहा कि मुख्य ग्रिड के ट्रांसफार्मर (जो पिछले 17 वर्षों से काम कर रहा था) के उच्च वोल्टता विसर्पी के काम न करने के कारण उसे लम्बी अवधि तक बन्द रखना पड़ा । तारापुर का दूसरा यूनिट इस समय अपने पूरे विद्युत स्तर के लगभग 50% पर काम कर रहा है क्योंकि इस यूनिट को चलाने के लिए गुजरात विद्युत बोर्ड से उधार पर लिया कम क्षमता वाला एक ट्रांसफार्मर अस्थायी रूप से लगाया गया है । आशा है कि अप्रैल, 1990 में पूर्ण क्षमता वाला एक ट्रांसफार्मर इस यूनिट में लगा दिया जाएगा ताकि यह यूनिट अपने पूरे विद्युत स्तर पर पुनः काम करने लगे । मद्रास के पहले यूनिट को वर्ष 1989 के प्रारम्भ में टरबाइन ब्लेडों के काम न करने

की वजह से लम्बे समय तक बन्द रखना पड़ा। इस वर्ष मद्रास परमाणु बिजलीघर के दोनों यूनिटों मे रिएक्टर की विमंदक निवेशिकाओं की बैफल प्लेटों के काम न करने जैसी असामान्य समस्या के पैदा होने के कारण भी यूनिटों को लम्बी अवधि तक बन्द रखना पड़ा। लम्बे समय तक बन्द रहने के बाद अब इन यूनिटों में उत्पादन शुरू हो गया है। मद्रास परमाणु बिजलीघर के दोनों यूनिट अन्तरिम रूप से संशोधन करने के बाद, इस समय अपनी पूर्ण रिएक्टर, विद्युत क्षमता के 75% तक सीमित विद्युत स्तर पर काम कर रहे हैं। इन यूनिटों मे नियमित विद्युत स्तर को कायम करने के लिए वर्ष 1990 में स्थायी रूप से संशोधन किए जाएंगे और इसलिए विद्युत स्तरों पर इस समय जो सीमाएं लगाई गई हैं, वे अस्थायी प्रकार की हैं। राजस्थान परमाणु बिजलीघर के पहले यूनिट, जिसके रिएक्टर की दक्षिण। एण्ड शील्ड को मरम्मत की गई थी, वर्ष 1987 से अपने पूर्ण रिएक्टर विद्युत स्तर के लगभग 50% तक सीमित विद्युत स्तर पर काम कर रहा है।

Special economic plan for Assam

*11. SHRI DEBA PRASAD RAY:
SHRI MURLIDHAR CHANDRAKANT BHANDARE:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether any special economic plan for Assam has been or is being chalked out; and

(b) if so, what are the details thereof, indicating the schemes and programmes included therein and the targets fixed thereunder?

THE PRIME MINISTER (SHRI VISHWANATH PRATAP SINGH): (a) and (b) The Planning Commission has been giving due consideration to the requirements of the State for its economic development while fixing up its Annual Plan outlays. Recently a committee has been constituted to take an integral view of the State's development requirements. The Committee is yet to submit its Report.

Study on the harmful effects of polluted air

*12. SHRI ASHWANI KUMAR:
SHRI PRAMOD MAHAJAN:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a recent study in Bombay has shown that breathing of the polluted air is so harmful as smoking of ten cigarettes a day; and

(b) if so, what is the situation in other metropolitan cities in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS WITH ADDITIONAL CHARGE OF THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PROGRAMME IMPLEMENTATION (SHRIMATI MANEKA GANDHI): (a) and (b) Presumably the Hon'ble Members are referring to a news report published in Patriot of January 26, 1990 about the statement mad by Mr. Hilary F. French in a paper titled "cleaning the air: a global agenda", published by the World Watch Institute, Washinton.

The statement is qualitative in nature and does not appear to be based on any scientific studies comparing air quality levels and cigarette smoking carried out either in Bombay or in the other metropolitan cities.

According to the ambient air quality survey, the air pollution levels in our metropolitan cities are, by and large, within the prescribed limits. While the levels of sulphur dioxide and oxides of nitrogen are well within the limits the particulate matter is on the higher side. Thus is due to natural dusty conditions and